## ( १ ) इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ मेरे भैया.....

इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ मोरे भैया, इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ;
साधर्मी मिल आओ मोरे भैया, इन्द्र प्रष्ठिा कराओ॥ टेक॥

सुन्दर जिन मन्दिर बनवाया, उसमें जिन प्रतिमा पधराना;
श्री जिनवर के पञ्च कल्याणक, इन्द्र-इन्द्राणी बनके रचाना,
सब मिल खुशियाँ मनाओ मोरे भैया, इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ॥ 1॥

दैवी वस्त्राभूषण धारो, तन-चेतन को भिन्न निहारो;
परिणामों को शुद्ध बनाकर, श्री जिन भक्ति उर में धारो,
रक्षा सूत्र बँधाओ मोरे भैया, इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ॥ 2॥

मोती की माला उर धारो, गुण अनन्तमय निहारो;
कानों में कुण्डल धारण कर, जिन वचनामृत पी सुख पाओ,
शीष पे मुकुट बँधाओ मोरे भैया, इन्द्र प्रतिष्ठा कराओ॥ 3॥